

१८६ अथोदयनोदयः

इदं॥थासविणवनकुरुति॥ १॥ अथ नक्षत्रादि॥
वेद्यनिष्कया आगच्छन् सूर्य निखननायायन धनम् अथ न अलिम
स्वके मात यश्चाग्निं देव दनुमान नाग नाकनाथ तीम लिगादि
जितगादि वेद्युदी मानश्वरी गच्छन् वरुददव गृहलक्ष्मी सचवि
वान कामात्री गायाम ॥ सर्वत ८०५ अ क अष्टमी अथ चक्र उ
वाक्षाय अथ न व ग या पु निष्कया यवद क सा दा रुमा ॥ अथ ॥

ASHA ARCHIVES

3297

शीतकलङ्कानि विमलाशीकामभक्ति यदा विश्वात्मरुनि कवि स्थजननीजा
पायिवाधामिकी। कान्धामृगवानियुक्तं विद्यासिचिनि लकायं काला मृत्यु
सर्वविर्गा विजयकधी सिद्धिलश्रीपना ॥ विश्वर्षाणाल कानाय स्वस्मविष्णुहनात्
न। दिनप्रयणवकाय मलिकुण्डाय नमः ॥ नागाधिर्यनागगतपदुरुं शुक्रा
वदार्गसूठिकाय मय। रुलादिसूर्यमनिवाडिर्गवे नोमीहकार्कमनिनागना

नमः ॥ सगुणगदकचक्रं जगत्सु नि स्थितिनागरुगदश्रीमयाय शिषुषा
सधावि। विविदिशिनानायसर्गकनात्मननमः ॥ गदाधनमहाकाय ॥ श्रीमवि
सर्गसददं कलिकिलवयनं शुक्लवर्मास्त्रिभूयं दृष्टास्यैव कनासंयतलव
तिनर्गकसुवर्णसुभोदी। रुककवाकुमालं धृतयनत्रयिर्नयानंदवर्च
नोमि। निर्यशीमस्यपाठ्ये स्थिगुरुयदनर्गं रुगनाथं पिभवं ॥ शुक्ला

निर्मसिदहाउवकसुमनिर्हाकाठिविद्युवरासांमृष्टाकिंसहकृष्णिक
लिगसमनदायर्षकायकसाया।दसुधायोलेमांससखनकननुहा
नीलावेजासूदीर्घादवीयोगाविकाख्यासकलरुयहनीगानभक्त
नाथा॥१॥कागकिस्त्रिदायनअवनयनासामहामरुद्रपाचककु
ल्यासनलकिनिजलमनलवायमाकागविष्य।सर्वरुथादनलुगिरे

उवननमिर्गसक्रविष्णुधनुडाकृत्तुल्याधननुवाकलअकलगगावा
उमनिद्रगकि॥१॥निर्वगिवगर्गभक्तगियात्मानगिवायन।गिवभक्त
पर्यदवेसगमामिसदागिर्व॥१॥नमाभुद्रनुद्रदायरेववायमास्त
न।वेमयर्थ्यायशीमायस्यानकनभाभुग॥१॥नागयाभक्तकानिलज
लनाआमाहावतानिन्नगधेवविष्णुग।नागयाजायननमशांरुका

नासनमावृत्तौ। यद्वदध्यासनस्ति नी मधुकानगगांदवांशीकृडिकांन
माम्यदं॥ यासायध्यासनस्ति विपुलकठिननी यमपर्ययनाश्री गंती
नावरुनारिस्तनरुननमिनामरुमार्गं गंतीं शुक्रवक्राकरीया। ल
श्रीदवीगऊदे मनिगणखुविनेः सापिगाऊमकुरु निर्यसाप
अरुसावसगुममगुरुसर्वमा इत्येयुक्ता॥ इदं ददनमस्तु॥ को

॥ ॥ वासुदेवाय नमः ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
यन्मया गृह्यते वासुदेवः कर्तुं निश्चयं मया गेव । नार्हति वासुदेवो दि सा श्रीमद्भगवत्सम
वदि ॥ यियात्तमया यवः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
सा को ल्वदु नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
अगमद नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वैष्णवे वृमदु ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गनमो ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥
अथादि ॥ यजमानस्य गवार्धनवाक्त्रा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
मः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ अथादि ॥ यजमानस्य गवार्धनवाक्त्रा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
वाक्त्रा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यजमानस्य गवार्धनवाक्त्रा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

